an>

Title: Issue regarding election of Shiromani Gurudwara Management Committee.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) :

"मानस की जात सबै, एके पहिचान बो,

हिन्दू, तुर्क कऊ रफ जी ईमाम शाफी।"

"अव्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बंदे,

एके नूर ते सब जगह उपज्या, कौन भले को मंदे।"

सभापति महोदय, मैं बहुत दुख के साथ खड़ा हुआ हूं। राज्य सभा में गुरुद्वारा अमैन्डमैन्ट बिल लेकर आ रहे हैं। उस बिल में जिसने अमृत नहीं चखा, जो अमृतधारी नहीं है, वह शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में वोट नहीं दे सकता। हम लोग जो आज के नौजवान हैं, जिनकी संख्या करीब 70 लाख है, वे इस बिल के आने से वोट देने से वंचित हो जायेंगे।

महोदय, मैं आपके सामने खड़ा हूं...(व्यवधान)

रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रिकर): महोदय, यह बिल का मामला है, राज्य सभा में बिल आया है। जब बिल लोक सभा में आ जायेगा, उस समय इस मामले को उठा सकते हैं।

HON. CHAIRPERSON: Let him speak.

...(*Interruptions*)

श्री मनोहर पर्रिकर : बिल आज राज्य सभा में इंट्रोडयूस किया गया है, जब यह लोक सभा में आ जायेगा, उस समय अगर ऑनरेबल मैम्बर को कुछ कहना है तो वह कह सकते हैं। ...(व्यवधान) वह बिल वहां डिस्कशन में है, यहां आने वाला है, यहां आप उस समय चर्चा कर सकते हैं। अभी चर्चा करने का कोई औचित्य नहीं है।

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : इस पर चर्चा शून्यकाल में कैसे हो सकती है।

श्री रवनीत सिंह: आप मेरा हक क्यों मार रहे हो, आप कौन हो मेरा हक मारने वाले, मैं कोई डिस्कशन नहीं कर रहा हूं। ...(व्यवधान)

श्री मनोहर पर्रिकर : जो बिल राज्य सभा में आया है, जब यह लोक सभा में आयेगा, उस समय इस पर चर्चा करें।

HON. CHAIRPERSON: Let him speak.

...(*Interruptions*)

श्री रवनीत सिंह : महोदय, हमें एक बहुत बड़ा खतरा है, क्योंकि सिख धर्म एक बहुत ही मॉडर्न धर्म है। गुरु तेग बहादुर जी ने दिल्ली में अपनी शहादत किसके लिए दी, हिन्दुओं के लिए दी। टोडरमल, अगर बात की जाए कि दुनिया में सबसे महंगी जमीन कौन सी है तो टोडरमल जी ने सिक्के खड़े करके साहबजादों के लिए जमीन लेकर उनका संस्कार किया था। इससे ज्यादा हमारा धर्म मॉडर्न क्या हो सकता है।

इसलिए मेरी आपसे गुजारिश है, क्योंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लम्बे अरसे से चल रहा है। उन्होंने यह बंद किया हुआ है कि जब तक इलैक्शन नहीं होंगे, तब तक सुप्रीम कोर्ट में फैसला नहीं होगा। वहां पर जो एसजीपीसी प्रेसिडेन्ट हैं मक्कड़ साहब, वह अकाली दल, बीजेपी की मान नहीं रहे हैं। उन्हें बदलने की कोशिश ...(व्यवधान) हमें कोई ऐतराज नहीं है कि अमृतधारी हों, लेकिन जो हम लोग सिख हैं।...(व्यवधान) मैं आपके सामने खड़ा हूं, क्या मैं सिख नहीं हूं। आप मुझे क्या कहेंगे? वहां पर यह कानून है, जो कैंडिडेट होगा, जो इलैक्शन लड़ेगा, वह सिख होगा, अमृतधारी होगा, लेकिन वोट का अधिकार हमसे नहीं छीनना चाहिए। ...(व्यवधान) मंत्री जी, आप बार-बार क्यों खड़े हो रहे हैं। आप क्यों डर रहे हैं, आपको कोई इतना डरने की बात नहीं है।

श्री मनोहर पर्रिकर : हम एक नई परम्परा डाल रहे हैं। जो बिल आने वाला है, उस समय चर्चा करें।

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): यह अदर हाउस का बिल है।

HON. CHAIRPERSON: When his name is there in the Zero Hour list, I have to allow him. But I can understand the hon. Minister's view point. He said that the Bill is in the Other House, the moment it will come here then only a proper discussion can be made.

Now, Shri Rahul Kaswan.